MP Board Class 8th General English Notes Chapter 3 The Ungrateful Jeweller

The Ungrateful Jeweller, Summary

1. Once there was a poor woodcutter. During the rainy season he could not earn money. For several days and nights he had nothing to eat. He made a long journey on foot in search of some job. On the way he came across a well. When he was passing by the well he heard"Help, Help". The wood cutter peeped into the well. He saw a monkey, a tiger, a snake,stand a jeweler trapped in it.

अनुवाद:
एक बार की बात है एक गरीब लकड़हारा था। बरसात के मौसम में उसने कोई धन नहीं कमाया। कई दिनों और रातों तक उसे कुछ खाने को नहीं मिला था। उसने काम की तलाश में एक लम्बी पैदल यात्रा की। रास्ते में उसे एक कुआँ मिला। जब वह कुएँ के पास से गुजर रहा था उसने बचाओ-बचाओ' की आवाज सुनी। लकड़हारा कुएँ के भीतर झाँका। उसने एक बन्दर, एक बाघ, एक साँप तथा एक जौहरी को कुएँ के अन्दर देखा।

2. They cried again, "Take us out". The woodcutter was in a fix. If he pulled out the snake and the tiger, they might kill him. He said, "When you come out, you will bite me or kill me." The tiger and the snake said, "We are not so thankless as to harm our savior." The woodcutter took all of them out. They thanked him and said, "It will be a great pleasure if we can be of any help to you," and went away.

अनुवाद:
वे पुनः चिल्लाये, "हमें बाहर निकालो।" लकड़हारा दुविधा में था। यदि उसने साँप और बाघ को बाहर निकाला तो वे उसे मार सकते थे। उसने कहा, "जब तुम बाहर आओगे तो तुम मुझे काट लोगे या मार दोगे।" बाघ और साँप ने कहा, "हम इतने कृतघ्न नहीं हैं कि अपने बचाने वाले को हानि पहुँचाएँ। लकड़हारे ने उन सभी को बाहर निकाल लिया। उन्होंने उसे धन्यवाद दिया और कहा, "हमें अत्यधिक प्रसन्नता होगी यदि हम कभी आपकी कोई मदद कर सकते हों।" और चले गए।

3. Days passed. The woodcutter was cutting a tree ' in the forest. He was very exhausted and hungry. He stopped near a tree. The monkey saw him and dropped some sweet fruits for him. The woodcutter ate them to his heart's content and felt full of energy. He started his work again. While coming back he met the tiger. The tiger presented him a set of gold ornaments. The woodcutter thought, "My worries are over now. I shall sell the gold and get money. I can spend my life . easily and comfortably." He went to the jeweler to sell the ornaments.

अनुवाद:
दिन गुजरते गए। एक दिन लकड़हारा जंगल में। एक पेड़ काट रहा था। वह बहुत थका हुआ और भूखा था। वह। एक पेड़ के पास रुक गया। बन्दर ने उसे देखा और कुछ मीठे फल उसके लिए नीचे गिरा दिए। लकड़हारे ने उन्हें पेट भर खाया। और स्वयं को ऊर्जा से भरा अनुभव किया। उसने अपना काम पुनः आरम्भ कर दिया। लौटते समय

उसे बाघ मिला। बाघ ने उसे सोने के आभूषणों का एक सैट दिया। लकड़हारे ने सोचा, “मेरी परेशानियाँ अब समाप्त हो गई हैं। मैं सोने को बेचकर धन पा लूँगा। मैं अपना जीवन आसानी और आराम से गुजार सकता हूँ।” वह आभूषणों को बेचने जौहरी के पास गया।

4. The jeweller at once took the ornaments and went straight to the king. He said to the king, “Your highness, the lost ornaments of the princess have been found.” The poor woodcutter was arrested and | put in prison. He thought of the ungratefulness of the jeweller and thought of the snake. The snake appeared at once and said, “I shall bite the queen and she will not recover unless you touch her forehead with your axe and in this way you can win the king’s favor.” Having said so the snake went away.

अनुवाद:
जौहरी ने तुरन्त आभूषण लिए और सीधा राजा के पास गया। उसने राजा से कहा, “हुजूर, राजकुमारी के खोये हुए आभूषण मिल गए हैं।” गरीब लकड़हारे को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। उसने जौहरी की कृतघ्नता के बारे में सोचा और साँप के बारे में विचार किया। साँप तुरन्त प्रकट हो गया और उसने कहा, “मैं रानी को डस लूँगा और वह तब तक शिवलाल दिग्दर्शिका सम्पूर्ण विषय ठीक नहीं होगी जब तक तुम अपनी कुल्हाड़ी से उनके मस्तक को नहीं छुओगे और इस प्रकार तुम राजा की कृपा पा सकते हो।” ऐसा कहकर साँप चला गया।

5. The snake bit the queen. The clouds of danger loomed over the life of the queen. One of the king’s men said, “The woodcutter in the prison can save the queen’s life.” At once the woodcutter was called. He came and touched the queen’s forehead with his axe. She recovered fully. The woodcutter was released and the king gave him all his ornaments and a lot of gold. The ungrateful jeweller was very much ashamed of his act.

अनुवाद:
साँप ने रानी को डस लिया। रानी के जीवन पर खतरे के बादल मँडराने लगे। राजा के एक सेवक ने कहा, “जेल में बन्द लकड़हारा रानी के जीवन को बचा सकता है। तुरन्त लकड़हारे को बुलाया गया। वह आया और उसने रानी के माथे को अपनी कुल्हाड़ी से छुआ। वह पूर्णरूप से सही हो गयी। लकड़हारे को मुक्त कर दिया गया और राजा ने उसके सारे आभूषण और बहुत-सा सोना उसे दिया। कृतघ्न जौहरी अपने किए पर बहुत शर्मिन्दा हुआ।

https://www.evidyarthi.in/